


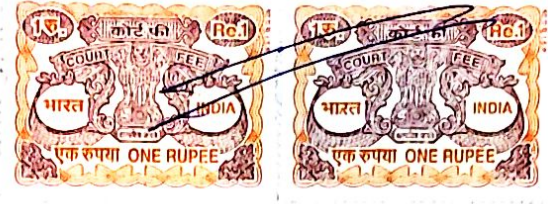
# न्यायालय भू-प्रबन्ध अधिकारी एवं पदेन राजस्व अपील प्राधिकारी, कोटा

## आज्ञा-पत्र

कंचनबाई ..... उनवान मोहनलाल .....  
 बनाम .....  
 किस्म मुकदमा ..... द्वारा - 225 ..... मि.नं. 2023/36 ..... सन .....  
 अभिभाषक अपीलान्त श्री अरुण कुमार जैन अभिभाषक रेस्पोंडेंट .....

तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील मे जारी हुए
05-09-23	<p>पत्रावली पेश हुई। अभिभाषक अपीलान्त अनपुस्तित। अपीलान्त व अभिभाषक अपीलान्त को रूक - रूक कर तीन बार आवजे लगावाई गई। फिर भी अभिभाषक अपीलान्त व अपीलान्त उपस्थित नहीं हुये। पत्रावली का अवलोकन किया गया। अभिभाषक अपीलान्त द्वारा रेस्पोंड R-1 लॉ 6 को नोटिस सम्मन जरिये शजिद ए. डी. आदिनांक तक नहीं करवाई गई है। पत्रावली में अपीलान्त व अभिभाषक अपीलान्त द्वारा उपस्थित नहीं होने के कारण पत्रावली अदम हाजरी एवं अदम पेशी में खारिज की जाती है। पत्रावली फैसल शमार होकर बाद तामील तकमील दाखिल दफतर हो।</p> <p>(दीप्ति रामचन्द्र मीना)              भू-प्रबन्ध अधिकारी एवं पदेन              राजस्व अपील प्राधिकारी, कोटा</p>	

न्यायालय भू प्रबन्ध अधिकारी एवं पदेन आर ए ए साहब , कोटा



कंचन बाई पत्नी पूरी लाल जाति मीणा निवासी अकलेरा तहसील अकलेरा जिला  
झालावाड राजस्थान — अपीलान्त

**बनाम**

1. मोहनलाल पुत्र कन्हैयालाल जाति मीणा निवासी थरोल तहसील अकलेरा जिला  
झालावाड
2. गोविन्दलाल पुत्र छप्पन लाल जाति मीणा निवासी बर्माखेडी तहसील छीपाबडौद
3. जगमोहन पुत्र छप्पन लाल जाति मीणा निवासी बर्माखेडी तहसील छीपाबडौद
4. बसन्ती बाई पुत्री छप्पनलाल पुत्री ओम प्रकाश जाति मीणा निवासी केसर  
कॉलोनी अकलेरा तहसील अकलेरा
5. रूकमणी बाई पत्नी ओम प्रकाश जाति मीणा निवासी कटफली रामपुरिया  
तहसील अकलेरा जिला झालावाड
6. राजस्थान सरकार जयें तहसीलदार साहब अकलेरा जिला झालावाड

— रेस्पोंडेन्ट्स

**अपील विरुद्ध निर्णय दिनांक 08.02.2023**

**न्यायालय उपखण्ड अधिकारी महोदय, अकलेरा**

**अन्तर्गत धारा 225 दी राजस्थान टीनेन्सी एक्ट 1955**

**प्रकरण संख्या 02/प्रार्थना पत्र/22**

मान्यवर,

अपीलान्त निम्न कारणों से यह अपील सादर प्रस्तुत करता है:—

1. यह कि योग्य अधीनस्थ न्यायालय का निर्णय पत्रावली संग्रहसार एवं विधि के प्रावधानों के सर्वथा विपरीत होने से निरस्त होने योग्य है।
2. यह कि योग्य अधीनस्थ न्यायालय ने अपीलान्त (प्रार्थनी) के पक्ष में एक तरफ़ा अस्थायी निषेधाज्ञा दिनांक 28.01.2022 को जारी कर दी थी उसे अपने अधिकारों से परे जाकर प्रार्थना पत्र अपने अधिकारों से परे जाकर खारिज करके कानूनी भूल की है।